C783

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAHL-205

उत्तराखण्ड का लोक साहित्य

M.A. Hindi (MAHL)

Second Year Examination, 2022 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. लोक से आप क्या समझते हैं? लोक साहित्य के स्वरूप और प्रवृत्ति पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

2. कुमाँउनी लोक साहित्य का परिचय देते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

3. लोकगाथाओं की विशेषताएं बताते हुए उनकी वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।

4. गढ़वाली लोकगीतों के विकास एवं उसकी प्रवृत्तियों पर एक विस्तृत निबंध लिखिए।

5. लोक साहित्य के संग्रह व संरक्षण में आने वाली समस्याओं का उल्लेख करते हुए उनके समाधान को प्रस्तुत कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. गढ़वाली लोक गीतों की प्रमुख विशेषताएं लिखिए।

2. लोकगाथा और लोककथा में अंतर स्पष्ट कीजिए।

3. लोकगाथाओं की उत्पत्ति संबंधी सिद्धांतों में से किन्हीं दो सिद्धांतों पर प्रकाश डालिए।

4. लोक नाट्यों की प्रमुख विशेषताएं लिखिए।

5. लोकगीतों के महत्त्व पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

6. चांचरी और झोड़ा लोकगीतों का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

7. चैती (ऋतुरैण) लोकगीत को उदाहरण सहित परिचय दीजिए।

8. लोकगाथा जागर का संक्षेप में परिचय दीजिए।